RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

वर्ष-3 अंक-323
बहराइच,मंगलवार
07 जनवरी 2025
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

पूरे देश में रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने सरकार प्रतिबद्ध

यह कह पीएम मोदी ने किया रेल परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, तेलंगाना और पूरे देश में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पठानकोट-जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला खंड सहित अन्य रेल खंडों के तहत नए जम्मू रेलवे मंडल का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन किया। कुल 742.1 किलोमीटर लंबे इस खंड के निर्माण से जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों को भारत के अन्य हिस्सों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह परियोजना रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्र के

सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देगी।

तेलंगाना का नया चेरलापल्ली टर्मिनल स्टेशन

413 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चेरलापल्ली टर्मिनल पर्यावरण के अनुकूल होगा और यात्री सुविधाओं से लैस होगा।

यह सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा के मौजूदा टर्मिनलों पर यात्री भीड़ को कम करेगा।

ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ मंडल भवन का शिलान्यास

रायगढ़ रेलवे मंडल भवन से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होगा। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगी।

प्रधानमंत्री का विजन

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा और तेलंगाना समेत देशभर में रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को भी पूरा करेंगी।

परियोजनाओं का सामाजिक-आर्थिक महत्व

निर्माण और संचालन के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नई कनेक्टिविटी पर्यटकों को आकर्षित करेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

चीन में तबाही फैला रहे एचएमपीवी वायरस का भारत में मिला पहला केस, बेंगलुरु में 8 माह की बच्ची मिली संक्रमित

बेंगलुरु

कोविड के बाद चीन में तबाही फैला रहे एचएमपीवी वायरस ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। लगभग सभी देश इस पर नजर बनाए हुए हैं। ऐतिहात के तौर पर कई देशों ने इससे निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी बीच बेंगलुरु में एक 8 माह की बच्ची के संक्रमित पाए जाने से और अधिक चिंता बढ़ गई है।

बेंगलुरु के एक अस्पताल में आठ महीने की बच्ची में एचएमपीवी वायरस डिटेक्ट किया गया है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि हमने हमारी लैब में इसका टेस्ट नहीं किया है। एक निजी हॉस्पिटल में इसके मामले की रिपोर्ट आई है। निजी हॉस्पिटल की इस रिपोर्ट पर संदेह करने का कोई कारण नजर नहीं आता। बता दें कि एचएमपीवी आमतौर पर बच्चों में ही डिटेक्ट होता है। सभी फ्लू सैंपल में से 0.7 फीसदी एचएमपीवी के होते हैं। इस वायरस का स्ट्रेन क्या है, अभी पता नहीं चल पाया है।

हेल्थ सर्विस की डायरेक्टर जनरल डॉ. वंदना बग्गा ने रविवार को मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारियों के साथ मीटिंग की, जिसमें दिल्ली में सांस से जुड़ी बीमारियों से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की गई। सिफारिशों के तहत अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि वे इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों के मामलों की जानकारी तुरंत पोर्टल के जरिए दें।संदिग्ध मामलों के लिए सख्त आइसोलेशन प्रोटोकॉल और सावधानी बरतने को कहा गया है। अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि सटीक निगरानी सुनिश्चित करने के डॉक्यूमेंटेशन बनाए रखना जरूरी है। उन्हें ऑक्सीजन के साथ-साथ हल्के लक्षण वाले मामलों के इलाज के लिए पैरासिटामोल, एंटीहिस्टामाइन, ब्रोन्कोडायलेटर्स और कफ सिरप की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस ने किया प्यारी दीदी योजना का ऐलान

दिल्ली की महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा, प्रदेश महिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह व राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने संयुक्त रूप से योजना को जारी किया है।

इस दौरान देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में एक सपनों का सौदागर बैठा हुआ है, जो वादे तो खूब करता है, लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रहता है, लेकिन कांग्रेस हमेशा अपनी बात को पूरा करती है।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का सोशल मीडिया अकाउंट हैक

हैकर ने नाम सहित प्रोफाइल में बड़े बदलाव किए

चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने की खबरें आ रही है। हैकर्स ने कांग्रेस नेता हुड्डा के ट्विटर अकाउंट को निशाना बनाकर प्रोफाइल में बड़े बदलाव कर दिए। हैकर ने न सिर्फ उनका नाम बदलकर सिर्फ एक . (डॉट) कर दिया बल्कि उनकी प्रोफाइल फोटो को भी हट दिया है। टीम लगातार अकाउंट रिकवर करने की कोशिश में जुटी है, लेकिन अभी तक कामयाबी नहीं मिल सकी है। यह घटना न सिर्फ हुड्डा के फॉलोअर्स बल्कि कांग्रेस पार्टी के लिए भी चिंता का विषय बन गई है।

रिकवरी के प्रयास और सुरक्षा चिंता

हुड्डा की सोशल मीडिया टीम लगातार ट्विटर अकाउंट को रिकवर करने की कोशिश में जुटी है। हालांकि, इस मामले में अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। यह घटना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। किसी बड़े राजनीतिक नेता का अकाउंट हैक होना गंभीर मामला है, क्योंकि इससे गलत सूचना फैलने या राजनीतिक माहौल को गुमराह करने की आशंका बढ़ सकती है।

अभी तक हैकर का सुराग नहीं

फिलहाल यह पता नहीं चला है कि हुड्डा का अकाउंट कहां से और कैसे हैक हुआ। क्या हैकर्स का मकसद सिर्फ अकाउंट हैक करना था या इसके पीछे कोई और बड़ा राजनैतिक मकसद है? क्या यह किसी राजनीतिक साजिश का हिस्सा हो सकता है? इन सवालों के जवाब आने वाले दिनों में मिल सकते है।

वहीं घटना ने सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए है। नेताओं और सार्वजनिक हस्तियों को अपने अकाउंट पर दो-स्तरीय सुरक्षा (2एफए) का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर हैकर्स इतना बड़ा कदम उठा सकते हैं, तब इससे प्लेटफॉर्म की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। पूर्व सीएम हुड्डा के ट्विटर अकाउंट की हैकिंग सोशल मीडिया सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है।

बीजापुर में नक्सलियों का कायराना हमला

आईईडी ब्लास्ट में 8 जवान और एक ड्राइवर शहीद

बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर में नक्सलियों ने एक बार फिर बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। पूरी साजिश के तहत नक्सलियों ने संयुक्त ऑपरेशन से लौट रहे सुरक्षा बलों के वाहन को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया। इस हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान और वाहन चालक कुल 9 लोग शहीद हो गए। इस दुखद घटना की पुष्टि बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने की। पुलिस के अनुसार, यह हमला बीजापुर के कुटरू-बेदरे सड़क पर ग्राम अंबेली के पास हुआ। दंतेवाड़ा, नारायणपुर, और बीजापुर की संयुक्त ऑपरेशन टीम ऑपरेशन से लौट रही थी, तभी दोपहर लगभग 2:15 बजे माओवादियों ने यह हमला किया।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दी प्रतिक्रिया

इस बड़ी घटना पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नक्सलियों की हरकत को कायराना बताते हुए कहा, यह हमला नक्सलियों की हताशा को दर्शाता है। शहीद जवानों को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार नक्सल समस्या के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने का अभियान पूरा किया जाएगा, उपमुख्यमंत्री ने

भरोसा दिलाया। शहीद जवानों की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। जवानों की शहादत को सलाम करते हुए बस्तर पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकेत दिया है।

कांग्रेस ने किया प्यारी दीदी योजना का ऐलान

नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा, प्रदेश महिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह व राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने संयुक्त रूप से योजना को जारी किया है। इस दौरान देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में एक सपनों का सौदागर बैठा हुआ है, जो वादे तो खूब करता है, लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रहता है, लेकिन कांग्रेस हमेशा अपनी बात को पूरा करती है। लोग भी इसीलिए पार्टी पर भरोसा करती है। उन्होंने आगे कहा कि जब दिल्ली में केजरीवाल अपनी कोई योजना लागू नहीं कर पाते तो केंद्र सरकार और एलजी पर रुकावट डालने का आरोप लगाते हैं, लेकिन पंजाब में तो उनकी पूर्ण राज्य वाली सरकार है, वहां पर वह क्यों नहीं महिलाओं को अभी तक महिला सम्मान राशि क्यों नहीं दे पाएं? सच तो यही है कि उनकी नीयत में खोट है।

पहली कैबिनेट मीटिंग में योजना को देंगे मंजूरी

इसी क्रम में कांग्रेस नेत्री अलका लांबा ने कहा कि केजरीवाल अपनी शीशमहल में तो जनता के टैक्स का पैसा लगाते हैं, लेकिन महिलाओं को कुछ नहीं देती। अगर पंजाब की महिलाएं उनसे जवाब मांगती है तो आप सरकार उन्हें कांग्रेसी कह देती है। दिल्ली की परमानेंट समस्याओं को कोई टेम्परेरी सरकार या सीएम नहीं सुलझा सकती। इस बार दिल्ली में कांग्रेस की परमानेंट सरकार बनेगी और पहली कैबिनेट मीटिंग में ही इस योजना को मंजूरी देकर पहली मार्च से ही महिलाओं के खाते में यह राशि डालना शुरू कर देगी।

कांग्रेस के 30 से अधिक वरिष्ठ नेता संभालेंगे मोर्चा

दिल्ली विधानसभा चुनाव की लगातार बढ़ रही सरगर्मियों के बीच कांग्रेस ने भी अपनी तैयारी को पुख्ता किया है। एक तरफ वार रूम से प्रत्याशियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ आप और भाजपा को मुंहतोड़ दवाब देने के लिए 30 से अधिक वरिष्ठ नेताओं को भी मैदान में उतारा जा रहा है। इसमें कांग्रेस के सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से लेकर प्रवक्ता तक शामिल हैं। ये सभी वरिष्ठ नेता रोज यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता करेंगे।

चुनावी मैदान में उतरेंगे कांग्रेस के दिग्गज

कांग्रेस के घोषणापत्र यानी गारंटियों को भी जारी करेंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप इस चुनावी मैदान में उतरेगी। इनके लिए बड़ी रैलियों से लेकर प्रत्याशियों के यहां पर जनसभाओं तक के लिए समय निर्धारित किया गया है। इनमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम किए जाएंगे। इनके अलावा जिन 30 से अधिक नेताओं की ड्यूटी प्रेसवार्ता के लिए लगाई गई है, उनमें उनमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवाकुमार, सचिन पायलट, अशोक गहलोत, जयराम रमेश, पवन खेड़ा, दीपेंद्र हुड्डा, कन्हैया कुमार, अजय राय, कुमारी शैलजा, जिग्नेश मेवानी, भूपेश बघेल, अजय माकन, चरणजीत सिंह चन्नी आदि का नाम शामिल है।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया। प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

महिलाओं के लिए डेटिंग टिप्स

क्या डेटिंग को कामयाब बनाने की जिम्मेदारी केवल पुरुषों की होती है, महिलाओं की नहीं। बात जब डेटिंग की आती है, तो पुरुषों को तमाम तरह के नियम कायदों की एक लिस्ट पकड़ा दी जाती है- लड़की को कैसे प्रभावित करें.. उससे कैसे बात करें.. कैसे उनके दिल में अपने लिए जगह बनाएं.. और भी तमाम तरह के नियम कायदे। लेकिन, क्या महिलाओं के लिए कोई कानून नहीं होता। मैडम आप अगर इस फिराक में हैं, तो कि आप कुछ भी करें सब चल जाएगा, तो ऐसा नहीं है। डेट चाहे पहली हो या फिर बाद की, कुछ बातों का ध्यान तो आपको भी रखना पड़ेगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि आपके प्यार की गाड़ी आगे चलने के बजाय पटरी से ही उतर जाए। तो जानते हैं? कि एक महिला होने के नाते डेट पर जाते समय आपको? किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

मेकअप हो सही

मेकअप किसी भी महिला के सबसे पसंदीदा कामों में से होता है। खासतौर पर अगर वो डेट पर जा रही हो, तो। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप अखरने वाला न हो। मेकअप आपकी खूबसूरती निखारने के काम आता है। कहीं ऐसा न हो कि अधिक मेकअप के चक्कर में आपकी पहचान ही कहीं छुप जाए। बहुत तीखी गंध वाला इत्र अथवा डियोड्रेंट आदि ना लगाएं। हल्की खुशबू माहौल को रूमानी बनाये रखती है।

सामान्य व्यवहार रखें

अपने ब्वॉयफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए झूठ का सहारा न लें। झूठ किसी भी रिश्ते को घुन की तरह समाप्त कर सकता है। आज भले ही आपका झूठ चल जाए, लेकिन बाद में जब बात खुलेगी, तो आप परेशानी में पड़ सकती हैं। रिश्ते के सुखद भविष्य के लिए बुनियाद मजबूत होना जरूरी है। इसलिए नये रिश्ते की शुरुआत के लिए सच का सहारा लें। डेटिंग की शुरुआत में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन जैसे-जैसे आप एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा।

उसकी भी बात सुनें-

डेट आपसी संवाद का एक मौका होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे से अपनी कहें और साथ ही दूसरे की बात सुनें भी। ऐसा नहीं कि एक ही साथी बोलता रहे और दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं मिले। यदि आपका बॉयफ्रेंड आपसे सहजता के साथ कोई सवाल कर रहा है तो उसका जवाब भी उसी सहजता से दें। अपने साथी की बातों को बीच में काटना अच्छी आदत नहीं।

लड़कों को बदलाव पसंद नहीं

आमतौर पर लड़कों को बदलाव पसंद नहीं। खासतौर पर अगर वह उन्हें बदलने को लेकर हो। वे भले ही आपसे उम्मीद करें कि आपका व्यवहार उनके मुताबिक हो, लेकिन जब बात खुद पर आती है, तो शायद वे इतने उदार न हों। तो, अगर आप चाहती हैं कि वो आपसे नाराज न हो, तो बात-बात पर अपने ब्वॉयफ्रेंड को टोकने से बचें। डेट रूमानियत भरी होनी चाहिए, इसमें उनकी टीचर बनने की कोशिश न ही करें, तो बेहतर। अधिकांश लड़के चाहते हैं कि जैसे वे हैं, वैसे ही उन्हें स्वीकार किया जाए। अपने डेट की बात ना कटें और विचारों पर अपने फैसले न थोपें विचारों की विविधता का सम्मान करें।

आंख से आंख मिलाना जरूरी

बातचीत में आई-कॉन्टैक्ट बनाकर बात करें। ध्यान रखें आंख से आंख मिलाकर बात करने का अर्थ घूरना नहीं होता। आंखें आपके दिल की जुबां होती हैं। जब आप अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ इस तरह बात करेंगी तो इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही साथ ही रिश्तों में मजबूती आयेगी।

पेमेंट करने के लिए पूछें-

लड़का है तो क्या वही पेमेंट करेगा। कई पुरुष आमतौर पर यही सोचते हैं कि लड़की के सामने खर्च करना उनकी जिम्मेदारी है। वे अक्सर इसे अपने अहम् से भी जोड़ लेते हैं। लेकिन, आप आज की नारी हैं। आप रिश्तों में बराबरी में विश्वास रखती हैं। तो, पेमेंट के लिए पूछने में कोई हर्ज नहीं।

ड्रिंक जरा संभलकर

अगर आप ड्रिंक करती हैं, तो उसकी मात्रा सीमित रखें। इतना न पी लें कि आप बहक जायें। इससे आपका प्रभाव तो गलत पड़ता है साथ ही किसी अनहोनी होने का खतरा भी होता है।

आत्मविश्वास है जरूरी

कभी हां, कभी ना वाली स्थिति लड़कों को परेशान करती है। बातचीत के दौरान बीच-बीच में यह ना दर्शायें कि आप ज्यादा अव्वल या काबिल हैं। डेट के उस पल का आनंद लें। यह नहीं कि भविष्य की बिना मतलब की चिंता में सारी डेट खराब कर बैठें। भविष्य की चिंता जरूरी है लेकिन उसके लिए बेचैनी ना जतायें बल्कि पूरी गंभीरता से सोचें और अपने पार्टनर को परखें।

बेवजह के सवालों से बचें

पहली मुलाकात में ही बहुत सारे सवाल न कर डालें। उनके पहली रिलेशनशिप को लेकर तो ऐसा करने से खासतौर पर बचें। उन्हीं मुद्दों पर बात करें जो आपके बीच सामान्य हों। अधिक व्यक्तिगत सवाल न ही पूछें। खुद पर ध्यान केन्द्रित करें और डेट का आनंद लेने के लिए अपने दिलोदिमाग को हल्का और तरोताजा रखें। कम सवालों में यह जानने की कोशिश करें कि उसका स्त्रियों के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उनका कितना सम्मान करता है।

इस बार के लिए बस-

रिश्तों में धीरे-धीरे संभलकर चलना ही अच?छा रहता है। एकदम से सारी बातें करने से बचें। हर डेट के लिए कुछ नया होना चाहिए। इससे रिश्तों में ताजगी और नयापन बना रहता है।

जब कहना हो बाय

अगर आपको मिलने के बाद उनकी कोई बात अच्छी लगे, तो जाने से पहले उसे जरूर बताएं। कई लोग दूसरों की अच्छी चीजों के बारे में कुछ नहीं कहते। लेकिन, आप अपने रिश?ते को सहज रखना चाहती हैं, तो उसकी तारीफ जरूर करें। अगर आपने अपने डेट के साथ अच्छा समय बिताया है, तो इस बात को शब्दों में जरूर कहें।

ये कुछ आम लेकिन जरूरी टिप्स हैं जो आपकी डेट में सहायक साबित हो सकते हैं। आपको आपकी डेट के लिए बहुत शुभकामनाएं।

ग्लिटर मेहँदी : वेडिंग अट्रैक्शन

मेहँदी है रचने वाली, हाथों में गहरी लाली

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है।

बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं।

बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं।

पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं। रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।

इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

हिन्दी दैनिक
नवयुग समाचार

एक नजर

उपहार पाकर खिले युगलों के चहरे

जन्म जन्मांतर तक साथ निभाने का किया वादा

रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के कुशल निर्देशन में परिवार परामर्श केन्द्र से 11 सकुशल रह रहे युगलों को विभिन्न उपहार मिठाई व माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर श्रीमती सोनम सिंह ने शिव पार्वती की प्रतिमा का पूजन व दीप प्रज्वलन कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। पूरे वर्ष अपनी कुशलता बताते हुए सकुशल जीवन यापन कर रहे चयनित 11 युगलों को मंचस्थ अधिकारियों ने सम्मानित किया। इसी क्रम में परिवार परामर्श केन्द्र के सलाहकार मंडल प्रभारी डा0 आशीष श्रीवास्तव व सलाहकारों राजेन्द्र सिंह सेंगर, अबरार हुसैन, राम सनेही यादव, श्रीमती प्रभा यादव, श्रीमती तबस्सुम नफीस, श्रीमती सबीहा उमर, डा0 मनीष सिंह सेंगर, श्रीमती शिल्पी श्रावस्तव, श्री संजय चौरसिया, डा0 सागीर अहमद, डा0 अबसार अली, डा0 शशि रंजना अग्निहोत्री, डा0 एस.के. पाण्डेय व सहयोगियों शिवेन्द्र सिंह चौहान, स्वास्तिक मिश्रा, अंकित सिंह रघुवंशी तथा परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी निरीक्षक श्रीमती संतोष कुमारी सिंह, उ0नि0 मधु श्रीवास्तव, उ0नि0 मिथिलेश वर्मा, उ0नि0 सुरेखा शर्मा, म0मु0आ0 संगीता वर्मा, आरक्षियों अंजुला त्रिपाठी, साधना, अंशू रानी, मीनू सोलंकी तथा सहायकों सर्वेश व प्रिया को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में आयोजन में सक्रिय भूमिका के लिये प्र0नि0 कोतवाली सदर श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, पूरे जनपद को आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में थाना कोतवाली सदर मे सक्रिय भूमिका निभाने में महिला आरक्षी कोमल शर्मा व मनू शर्मा तथा साइबर जागरुकता अभियान मे सक्रिय भूमिका के लिये महिला आरक्षी सोनिया व पूनम रानी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पूरे जनपद मे सर्वाधिक विदाईयां कराने में 338 विदाईयों के साथ महिला थाने के आरक्षी पूजा शर्मा को प्रथम, 128 विदाइयों के साथ अचलगंज थाने की पूजा यादव को द्वितीय, 98 विदाइयों के साथ सोहरामऊ थाने की सोनी को तृतीय, सांतव्ना पूरस्कार के रूप मे बांगरमऊ की आरक्षी सेविका व सोनिया को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सलाहकार मंडल से साहित्यकारों एवं कवियों में राजेन्द्र सिंह सेंगर, डा0 शशि रंजना व डा0 एस.के. पाण्डेय ने स्वरचित गीतों व शेरों शायरी से सभी को खूब लुभाया और समाज को सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद जी ने बचपन पर आधारित अपने गीत और एक श्रंगार का गीत पढ़कर खूब तालियां अर्जित की और उनकी रचनाओं से पुरस्कृत किये गये युगलों के चहरे भी खिलते नजर आये। सलाहकार डा0 मनीष सिंह सेंगर ने युगलों के बीच प्रेम को प्रगाढ़ कराते हुए गीत सुनाया और डा0 आशीष श्रीवास्तव ने जोड़ो को एक दूसरे माला पहनवाकर आजीवन साथ निभाने का वादा निभाया। सलाहकार मंडल प्रभारी आशीष श्रीवास्तव की सक्रियता की प्रंशसा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी सलाहकारों की भूमिका को सराहते हुए पुरस्कृत किये गये युगलों के सकुशल जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।प्रतिसार निरीक्षक अब्दुल रशीद ने उपस्थित अधिकारियों, सलाहकारों व सहयोगियों के प्रति आभार जताया। ए.एस.आई विजित श्रीवास्तव ने वर्ष पर्यन्त परिवार परामर्श केन्द्र, मिशन शक्ति व अन्य कार्यक्रमों की झलकियों को प्रोजेक्टर पर बड़े ही सुंदर प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। वार्षिक सम्मान समारोह का बड़ा ही उत्कृष्ट संचालन व समन्वयन डा0 आशीष श्रीवास्तव व डा0 मनीष सिंह सेंगर ने किया।

पत्रकार की हत्या से उठते सवाल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में कार्यरत पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की नृशंस हत्या से एक ओर तो राज्य सहित पूरा देश स्तब्ध है, तो वहीं इस घटना ने फिर से साबित कर दिया है कि भारत में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा हो गया है। अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज-बीन शुरू की। समझा जाता है कि उन्हें बीजापुर के ही एक बड़े ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर के परिवार के किसी सदस्य का उन्हें फोन आया था जो मुकेश से मिलने के इच्छुक थे। कुछ ही दिन पहले मुकेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर सुरेश चन्द्राकर द्वारा बनवाई जा रही मिरतूर-गंगालूर सड़क में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विस्फोटक खबर चलाई थी। अनुमान लग रहे हैं कि इसके चलते मुकेश की हत्या की गयी है। उनका शव 3 जनवरी की शाम को चन्द्राकर के परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट के नीचे सेप्टिक टैंक में मिला। यह भी बताया जाता है कि पुलिस इस टैंक को तोड़ने के पक्ष में नहीं थी लेकिन अन्य पत्रकारों के जोर देने पर उसे तोड़ा गया। इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दुनिया भर में लड़ाइयों, गृह युद्धों, आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में पत्रकार अपना उत्तरदायित्व निभाते हुए प्राण गंवाते हैं। वैसे ही अब भारत में पूंजीपतियों व कारोबारियों के खिलाफ लिखना भी खतरनाक हो गया है। यदि ऐसे धन्ना सेठों का गठजोड़ राजनेताओं से, विशेषकर सत्ता पक्ष से है तो समझिये कि उनके खिलाफ या उनके व्यवसायिक हितों पर चोट करने वाली कोई भी खबर लिखनी या दिखानी खुद को संकट में डालने जैसा हो गया है। हाल के वर्षों में एक तरह से व्यवसायियों और नेताओं के बीच अघोषित सी संधि बनी हुई है जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष परस्पर हितों का संरक्षण करते हैं। कारोबारी सियासतदानों को चुनाव के वक्त और जरूरी मौकों पर आर्थिक मदद देते हैं। इसके बदले में नेता यदि सत्ता में हों तो उनके व्यापार को संरक्षण देने और उनके मार्ग में आने वाले अवरोधों को खत्म करने का काम करते हैं।विपक्ष में रहकर भी राजनीतिक व्यक्ति व दल अन्य तरीकों से उनकी मदद करते हैं। इनमें प्रमुख तो यही है कि विरोधी दल उन्हें बख्श दें। यानी उनके कामों पर उंगलियां न उठायें। बहरहाल, नये भारत में, यानी 2014 के बाद से सत्ता पक्ष और अखबारनवीसी के रिश्ते भी बदले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से संवाद के तरीकों में कुछ ऐसा परिवर्तन किया है कि उसमें मीडिया को अनिवार्यतः सत्ता पक्ष का एक तरह से सक्रिय सहयोगी बना दिया गया है। यहां सत्ताधारी दल से तात्पर्य भारतीय जनता पार्टी से है। उसने प्रकारान्तर से मीडिया पर पूर्णतः अधिकार सा कर लिया है। मीडिया सत्ता ही नहीं, भाजपा की भाषा बोलने में भी पारंगत हो गया है।

सरकार के नजदीकी व्यवसाय समूहों ने मीडिया को खरीदकर खुद और सत्ता की सेवा के काम में लगा रखा है। स्वाभाविक है कि इसका उद्देश्य विरोध के स्वर को खत्म करना है, फिर चाहे वह सरकार का विरोध हो या फिर कारोबारियों का। मुख्यधारा का मीडिया आज ज्यादातर इन दो समूहों के एजेंडे को पूरा करने में व्यस्त है- सरकार व सत्ता पक्ष के राजनीतिक एजेंडे तथा कारोबारियों के व्यवसायिक हितों को संरक्षित और संवर्धित करने के। पूरी दुनिया की ही तरह भारत में एक समांतर मीडिया भी खड़ा हो गया है जो किसी के एजेंडे को चलाने या उस पर चलने के बजाये स्वतंत्र चेतना व विवेक रखता है, लेकिन उसे एक बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। फिर वह कोई समूह हो या पत्रकार।

नए वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी

–डा. जयंतीलाल भंडारी–

> देश में कृषि क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा। ज्ञातव्य है कि फसल वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 32.22 करोड़ टन के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023-24 में गेहूं और चावल का अधिक उत्पादन हुआ है। गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन 1132.92 लाख टन और चावल का उत्पादन 1378.25 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया। यह अनुमान किया गया है कि सरकार की नई कृषि विकास रणनीति से नए वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा।

यकीनन वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा नए वर्ष 2025 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक नया वर्ष 2025 भारत के लिए उजली आर्थिक संभावनाओं वाला वर्ष होगा। नए वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वर्ष 2024 से मिली आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ेगी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होगी। यदि हम नए वर्ष 2025 को बीते वर्ष 2024 से मिलने वाली आर्थिक विरासत को देखें तो पाते हैं कि इस विरासत में जहां कई चुनौतियां हैं, वहीं विकास के कई मजबूत आर्थिक आधार भी हैं। यद्यपि बीते वर्ष 2024 की शुरूआत 8 फीसदी विकास दर के साथ हुई थी, लेकिन बीते वर्ष की जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5.4 फीसदी की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गडबड़ा गए। बीते वर्ष में भारत के आर्थिक परिदृश्य पर प्रमुखतया महंगाई तथा रोजगार चिंताजनक मुद्दे रहे हैं। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग अधिकांश महीनों में बनी रहीं। खासतौर से नवंबर 2024 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढने लगी और महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित दायरे से बाहर रही। बीते वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आई, लेकिन असंगठित सेक्टर में रोजगार के मौके घट गए। बीते वर्ष में विदेश व्यापार घाटा भी बढ़ा। बीते हुए वर्ष में रुपया वर्षभर लुढकता रहा। वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपए की कीमत घटती गई और दिसंबर 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया लुढककर 85 से भी नीचे के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2024 में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कभी कमी तो कभी वृद्धि होती रही। दिसंबर 2024 में विदेशी मुद्रा कोष घटते हुए करीब 652 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। निश्चित रूप से नए वर्ष 2025 को पिछले बीते वर्ष से आर्थिक विकास के ठोस आधार भी मिले हैं। अर्थविशेषज्ञ एक मत से कारोबारी और वित्तीय ऊंचाई को लेकर आशावादी हैं और वे विकास मूलक संकेत देते हुए देश की मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कृषि, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन को तेज रफ्तार मिलेगी। नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं व नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) आकार लेते हुए दिखाई देंगे। खासतौर से सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटो मोबाइल, फॉर्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, सायबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में तेज विकास होगा। इससे रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई देंगे। नए वर्ष 2025 में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए दिखाई देंगे। साथ ही सोना, चांदी के भावों की नई उड़ान भी दिखाई देगी। गौरतलब है कि नए वर्ष 2025 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे नए वर्ष में देश अधिक लाभान्वित होगा। डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निश्चित रूप से नए वर्ष में देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान की शक्ति बढ़ेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य भी उभरकर दिखाई देगा। देश में चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए लागू प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के और अधिक अच्छे परिणाम मिलते हुए दिखाई देंगे। निस्संदेह नए वर्ष 2025 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को बीते हुए वर्ष से जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे नए वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ेगी, ग्रामीण इलाकों में खपत भी बढ़ेगी। देश में कृषि क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा। ज्ञातव्य है कि फसल वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 32.22 करोड़ टन के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023-24 में गेहूं और चावल का अधिक उत्पादन हुआ है। गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन 1132.92 लाख टन और चावल का उत्पादन 1378.25 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया। यह अनुमान किया गया है कि सरकार की नई कृषि विकास रणनीति से नए वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि नए वर्ष 2025 में भारत में कर संग्रह में तेज वृद्धि होगी। उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में वृद्धि होगी। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फसदी बढकर 14.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी प्रकार मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में बीते हुए वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.28 आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। इसमें कोई दो मत नहीं है कि नए वर्ष में दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि होगी। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ेगी। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करेगा। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि नए वर्ष में निर्यात और विदेशी निवेश की संभावना बढ़ेगी। सरकार की वित्तीय नियंत्रण की नीतियों से नए वर्ष 2025 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहते हुए दिखाई देगा। हम उम्मीद करें कि जनवरी 2025 में ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका द्वारा चीन पर भारी व्यापार प्रतिबंधों की संभावना से भारत के नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश बनने की संभावना बढ़ेगी। नए वर्ष में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी और कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा। हम उम्मीद करें कि नए वर्ष 2025 में सरकार के द्वारा आर्थिक और वित्तीय सुधारों, कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। हम उम्मीद करें कि नए वर्ष में भारत की विकास दर 7 फीसदी के स्तर पर होगी और इस समय जो भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, नए वर्ष 2025 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा और ऐसे तेज आर्थिक विकास से नए वर्ष में देश के आम आदमी के चेहरे पर भी आर्थिक मुस्कराहट बढ़ेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

सामूहिक योगदान से ही बच सकेगी धरा

–मुकेश तिवारी–

1907के पश्चात जब जब इसकी ईजाद हुई प्लास्टिक में हमारे जनजीवन में अहम भूमिका अदा की, और आज भी हमारे जीवन में इसकी मौजूद की बनी हुई है। 20वीं सदी का तथा कथित आश्चर्यजनक उत्पादन आज हमारे पर्यावरण का धीरे-धीरे गला दबोच रहा है, और हमारी पर्वत श्रृंखलाओं और समुद्री को दुत गति के साथ प्रदूषित करता जा रहा है। प्लास्टिक कितने दिनों में सड़ता है इसके बारे में निश्चित रूप से कोई नहीं जानता संभव है कि इसमें 450 वर्ष से अधिक का वक्त लग जाए पिछले तीन दशकों में प्लास्टिक के उत्पादन और खपत में काफी वृद्धि हुई है। आज दूध के बोतल, बैग से लेकर पानी की बोतले, बर्तन, पेन मोबाइल, घरेलू सामान सब कुछ प्लास्टिक से निर्मित है। यह मानव निर्मित होने की वजह से प्रकृति इसे स्वीकार नहीं करती। सिंगल यूज वाली प्लास्टिक की वस्तुओं ने पर्यावरण को काफी क्षति पहुंचाई है। इसकी कम कीमत के कारण इसका उत्पादन काफी बड़े पैमाने पर होता है, और इसके खतरनाक जहरीलेपन को नजरंदाज कर दिया जाता है।आज विश्व भर में 12 अरब टन प्लास्टिक मौजूद है, इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है, ऐसा कोई शहर नहीं बचा है। जहां प्लास्टिक कचरे के पहाड़ न बन चुके हो। आंकड़ों पर पर एतबार करें तो विश्व भर में महज पांच में से एक हिस्से के प्लास्टिक की रिसाइकिल हो पाती है। इस तरह इसका 80फीसदी हिस्सा लैंडफिल साइट अथवा सीधे समुद्र में जा रहा है। प्लास्टिक स्तनधारियों को प्रत्यक्ष रूप से असमय ही मौत के मुख में पहुंचा रहा है। क्यों कि वे इसे गटक रहे हैं, या यह उनके खाने की वस्तुओं में मिल रहा है, ओर इस तरह पादप जीवन को नष्ट कर रहा है, और इसी तरह मानव को भी। हर साल एक लाख से अधिक समुद्री जीव जंतु प्लास्टिक में फंसने के कारण असमय ही मर जाते हैं। काफी बड़ी संख्या में ह्वेल, पक्षी, सील और कछुए समुद्र में प्लास्टिक की थैलियों के फेंके जाने के कारण मार जाते हैं। क्यों कि ये जीव जंतु इन प्लास्टिक की थैलियों को भोजन समझकर ग्रहण कर लेते हैं। शोधकताओं के मुताबिक बड़ी खबरें नदियों से होते हुए 95 फीसदी प्लास्टिक समुद्र में पहुंच रहा है। तकरीबन 1.5करोड टन प्लास्टिक समुद्र में कचरे के तौर पर फेंक दिया जाता है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा हिद महासागर का है, इसके बाद यह कचरा कहा जाता है। यह आज भी एक रहस्य है, वैज्ञानिकों के मुताबिक ज्यादातर कचरा बंगाल की खाड़ी में जमा हो रहा है। विश्व भर में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूकता तो आई है। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों को देखते हुए काफी लम्बे समय से इसके उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व भर में ऐसे 16देश है, जिसमें यूके, अमेरिका, ताइवान जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा तकरीबन 127देश एक ऐसा कानून बनाने की तैयारी में है, जिससे प्लास्टिक का उत्पादन और उपयोग पूरी तरह से बंद किया जा सके। एशिया में सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश में नगर निगमों के ठोस कचरा में इसकी मौजूदा की सबसे ज्यादा होती है। अकेले हिंदुस्तान में 28, 940 टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन प्रतिदिन होता है और इसी तरह वह प्लास्टिक कचरे के उत्पादन में 10 फीसदी से अधिक का योगदान करता है। काबिलेगोर है कि समस्या प्लास्टिक के उत्पादन में इतनी नहीं है, बल्कि एक उपभोक्ता के रूप में इसके कुप्रबंध इसकी रिसाइकलिंग कि आप्रभावी नीतियों से और उत्पादको की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से है। फिर कचरा प्रबंधन की बुनियादी सुविधा को उन्नत बनाना, इसमें नवाचार जिस द्रुत गति से प्लास्टिक कचरे का उत्पादन बढ़ रहा है उससे तालमेल मिलाकर नहीं चल रहा। कचरा इकट्ठा करने वालों और कबाडी वालों या स्क्रैप डीलरों की अनौपचारिक श्रृंखला की मदद से प्लास्टिक के बोतल कंटेनर आदि पुनः उपयोग में या रिसाइकलिंग के लिए पहुंच जाते हैं। हालांकि इस बात के ठोस प्रयास किया जा रहे हैं कि कठोर प्लास्टिक पैकिंग और रीसाइकिलिंग कंपनियां भी करें। लेकिन सिंगल प्रयोग वाले अन्य प्लास्टिक उत्पादनों जैसे थैली। कैंडी को लपेटने वाली प्लास्टिक, तंबाकू की पैकिंग के लिए प्रयुक्त होने वाले पाउच, साबुन की पैकिंग और शैंपू के खाली पाउच को जमा करना या तो बहुत ही दुरुह होता है या फिर इससे पैसे नहीं मिलते। इसका एक उदाहरण है ई कॉमर्स उद्योग के शुरूआत होने के बाद से पैकिंग पैकेजिंग कचरे में वृद्धि हुई है। इसका पता इसी से चलता है कि इसी कुल उत्पादन के लगभग 40 फीसदी हिस्से का प्रयोग पैकिंग पैकेजिंग के लिए होता है ई-कॉमर्स उद्योग का उपभोक्ता आधार बढ़ रहा है क्योंकि यह सस्ता, सुलभ समय बचाने वाला होता है। कोई वही वस्तु जिसका ऑनलाइन ऑर्डर किया जाता है। वह प्लास्टिक बैग में पैक होकर ऑर्डर करने वाले के पास आता है। यह प्लास्टिक कचरे में इजाफा करता है। पिछले कुछ सालों में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने जैसे पूरी तरह से रोकने की दिशा में ठोस प्रयास हुए हैं और इसमें तेजी आ रही है। चीन एशिया में प्लास्टिक का सबसे बड़ा उत्पादक देश है उसने भी सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों को देखते हुए। पतले प्लास्टिक बैग्स को पूर्णत प्रतिबंधित कर दिया है और मोटे बैग्स पर रिटेलर से शुल्क वसूलना प्रारंभ कर दिया है। माना जाता है कि चीन सरकार की इस पहल से प्लास्टिक बैग के प्रयोग में 70 फीसदी कमी आई है। तेज गति से बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था और 1.3 अरब की जनसंख्या के साथ भारत समुद्र में मिल रहे प्लास्टिक की कचरे में बड़ा योगदान करता है। उसको प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में भी परेशानी हो रही है। सरकार और जनता प्लास्टिक के दुष्परिणामों को भली-भांति समझ रही है और इसे उचित अहमियत दी जा रही है सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध तब तक सफल नहीं होगा जब तक कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति इसके प्रयोग को न ना कहे। केन्द्रीय सरकार ने भी स्वच्छ भारत और हर घर जल जैसी बड़ी योजनाओं के पश्चात अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने की युद्ध स्तर पर मुहिम छेड़ रखी है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से मोदी ने भारत को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने की घोषणा की थी। उस पर सख्ती से अमल किया जा रहा है। यूरोपीय यूनियन ने भी वर्ष 2021 से सिंगल उस प्लास्टिक आइटम का उपयोग पूरी तरह से बंद कर का चुकी है जबकि चीन के कमर्शियल हब शंघाई ने भी सिंगल यूज प्लास्टिक पर साल 2025 तक पूर्ण का प्रबंध का लक्ष्य है। ऐसा नहीं है कि प्लास्टिक सिर्फ जमीन या जल स्रोतों को ही प्रदूषित कर रहा है एक रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति हर सप्ताह एक क्रेडिट कार्ड के आकार जितना प्लास्टिक खा लेता है। जो कि तकरीबन 5 ग्राम जितना बजनी होता है। इसमें से ज्यादातर वह पानी के साथ पीता है। प्लास्टिक को समाप्त किए जाने के साथ-साथ हमें इसके कु प्रबंधन से भी रुवरु होना चाहिए और कैसे रीसाइकलिंग और दोबारा प्रयोग को मुख्यधारा में लाया जाए।

इस बारे में भी बड़े स्तर पर जागरूकता और विश्व स्तर पर लक्ष्य के साथ सफाई अभियान चलाने की सख्त जरूरत है ताकि हम कितनी प्रगति कर रहे हैं इसकी जानकारी हमें मिलती रहे। सडने गलने वाले प्लास्टिक और शून्य कचरा की बात को सरकार और पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग अब समझने लगे हैं इसे देखते हुए प्लास्टिक रीसाइकलिंग उद्योग में तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। इस क्रांति से प्लास्टिक के उत्पादन में कच्चे माल को बचाने लैंड फील्ड की समस्या कम करने ऊर्जा की खपत कम करने में सफलता मिलेगी। पर्यावरण को ठीक रखने वाले कई तरह के विकल्पों में मदद से प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनाई जा सकती है। विकल्प के तौर पर दांत साफ करने के लिए बांस का ब्रश, खाद्य कटलरी, अपने आप सड़ने गलने वाले बैग अपने आप सड़ने गलने वाले सैनिटरी नैपकिन, गेहूं के तने आदि का प्रयोग शामिल है। कचरे से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि इस तरह की योजना तैयार की जाए जिससे कि किसी सामान के प्रयोग के पश्चात उसे खुदरा विक्रेता को लौटा दिया जाए जो उसे उसके निर्माता को वापस कर देगा। एक बार अगर या प्रक्रिया स्थापित हो जाती है तो इससे बड़ी सफलता मिलेगी

सामूहिक प्रयास के बिना कुछ भी बदल नहीं सकता।

पीपल का वृक्ष अर्थात कलयुग का कल्पवृक्ष

संजय त्रिपाठी
प्रबंध संपादक
नवयुग समाचार (दैनिक)

पौराणिक मान्यता के अनुसार पीपल को कलियुग का कल्पवृक्ष माना जाता है। पीपल एकमात्र पवित्र देववृक्ष है जिसमें सभी देवताओं के साथ ही पितरों का भी वास रहता है। पीपल के मूल में ब्रह्मा जी, मध्य में विष्णु जी तथा अग्र भाग में भगवान शिव जी साक्षात रूप से विराजित हैं। स्कंदपुराण के अनुसार पीपल के मूल में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान श्री हरि और फलों में सभी देवताओं का वास है।

भारतीय जन जीवन में वनस्पतियों और वृक्षों में भी देवत्व की अवधारणा की गई है और धार्मिक दृष्टि से पीपल को देवता मान कर पूजन किया जाता है। किसी भी धार्मिक कार्य को पूर्ण करने के लिए पीपल पर जल चढ़ाने की परम्परा है क्योंकि पूजन के समय सभी देवताओं की पूजा पीपल पर जल चढ़ाने से ही पूर्ण होती है और हवन यज्ञ के माध्यम से वनस्पतियों को प्रफुल्लित करने की कामना भी की जाती है। पीपल को जल से सींचने से सभी पापों का जहां नाश हो जाता है वहीं पितर भी प्रसन्न होकर जीव पर कृपा करते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि से पीपल :

विश्व भर के सभी वृक्ष दिन में आक्सीजन छोड़ते हैं तथा कार्बनडाइआक्साईड ग्रहण करते हैं और रात को सभी वृक्ष कार्बन-डाइआक्साईड छोड़ते हैं तथा आक्सीजन लेते हैं, इसी कारण यह धारणा है कि रात को कभी भी पेड़ों के निकट नहीं सोना चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार पीपल का पेड़ ही एकमात्र ऐसा वृक्ष है जो कभी कार्बन डाईआक्साइड नहीं छोड़ता वह रात दिन के 24 घंटों में सदा ही आक्सीजन छोड़ता है इसलिए यह मानव उपकारी वृक्ष है।

क्या है पुण्यफल :

पीपल के पेड़ का सिंचन, पूजन और परिक्रमा करने से जहां जीव की सभी कामनाओं की पूर्ति होती है वहीं शत्रुओं का नाश भी होता है। यह सुख सम्पत्ति, धन-धान्य, ऐश्वर्य, संतान सुख तथा सौभाग्य प्रदान करने वाला है। इसकी पूजा करने से ग्रह पीड़ा, पितरदोष, काल सर्प योग, विष योग तथा अन्य ग्रहों से उत्पन्न दोषों का निवारण हो जाता है। अमावस्या और शनिवार को पीपल के पेड़ के नीचे हनुमान जी की पूजा-अर्चना करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ करने से कष्ट निवृत्ति होती है। प्रातः काल नियम से पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर जप, तप एवं प्रभु नाम का सिमरण करने से जीव को शारीरिक एवं मानसिक लाभ प्राप्त होता है। पीपल के पेड़ के नीचे वैसे तो प्रतिदिन सरसों के तेल का दीपक जलाना उत्तम कर्म है परंतु यदि किसी कारण वश ऐसा संभव न हो तो शनिवार की रात को पीपल की जड़ के साथ दीपक जरूर जलाएं क्योंकि इससे घर में सुख समृद्धि और खुशहाली आती है, कारोबार में सफलता मिलती है, रुके हुए काम बनने लगते हैं।

तांबे के लोटे में जल भरकर भगवान विष्णु जी के अष्टभुज रूप का स्मरण करते हुए पीपल की जड़ में जल चढ़ाना चाहिए। वृक्ष की पांच परिक्रमाएं नियम से करनी चाहिएं। जो लोग पीपल के वृक्ष का रोपण करते हैं उनके पितृ नरक से छूटकर मोक्ष को प्राप्त करते हैं।

क्या न करें :

शास्त्रानुसार शनिवार को पीपल पर लक्ष्मी जी का वास माना जाता तथा उस दिन जल चढ़ाना जहां श्रेष्ठ है वहीं रविवार को पीपल पर जल चढ़ाना निषेध है। शास्त्रों के अनुसार रविवार को पीपल पर जल चढ़ाने से जीव दरिद्रता को प्राप्त करते हैं। पीपल के वृक्ष को कभी काटना नहीं चाहिए। ऐसा करने से पितरों को कष्ट मिलते हैं तथा वंशवृद्धि की हानि होती है। किसी विशेष प्रयोजन से विधिवत नियमानुसार पूजन करने तथा यज्ञादि पवित्र कार्यों के लक्ष्य से पीपल की लकड़ी काटने पर दोष नहीं लगता। (संकलित)

एक नजर

दबंगों ने युवक के साथ की मारपीट, पीड़ित को मिली जान से मारने की धमकी

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर, बिल्हौर थाना के पूरा गांव में सोमवार को दोपहर के समय एक युवक के साथ कुछ दबंगों ने बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित ललित गौतम (23 वर्ष) ने उत्तरी पूरा चौकी इंचार्ज को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि श्याम सिंह उर्फ गुड्डू, करन सिंह, आकाश सिंह और उनके कुछ अज्ञात साथियों ने उसे घेरकर पिटाई की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी भी दी।यह घटना तब हुई जब पीड़ित ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोगों ने आकर उसकी मदद की और उसे बचाया। पीड़ित के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, और उसने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने इन आरोपियों को अपराधिक किस्म का बताते हुए पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

किसानों ने उठाई समस्याएं, समाधान न होने पर धरने की चेतावनी

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर, भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की तहसील प्रांगण में हुई माह पंचायत में किसानों ने आवारा पशुओं, बिजली पोल, तालाब की गंदगी, खाद की कमी और बिजली निजीकरण जैसे मुद्दों पर चिंता जताई। किसानों ने प्रशासन को 15 दिनों में समाधान का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर वे तहसील में धरना-प्रदर्शन करेंगे। पंचायत में आवारा पशुओं से फसल क्षति, बिजली पोल की कमी से हादसों का खतरा, तालाब की गंदगी और सहकारी समितियों में खाद की किल्लत जैसे गंभीर मुद्दे उठाए गए।

ककवन क्षेत्र में 61 भेड़ों की चोरी, पुलिस ने जांच शुरू की

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

ककवन,6 जनवरी। ककवन थाना क्षेत्र में भेड़ों की चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदन निवादा और गोपालपुर तिश्ती के कुछ चरवाहे पिछले 15 दिनों से डंमर निवादा क्षेत्र में भेड़ों का पड़ाव डाले हुए थे। 5 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने उनके झुंड से 61 भेड़ों को चोरी कर लिया।पीड़ितों में रामकृष्ण पाल (200 भेड़), रामनरेश (82 भेड़), किशनलाल (50 भेड़), और छोटेलाल (70 भेड़) शामिल हैं। घटना के बाद पीड़ितों ने ककवन थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश में जुट गई है। भेड़ों की बड़ी संख्या में हुई चोरी से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़ितों ने जल्द कार्रवाई की मांग की है।

आधुनिक हिन्दी साहित्य के जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र

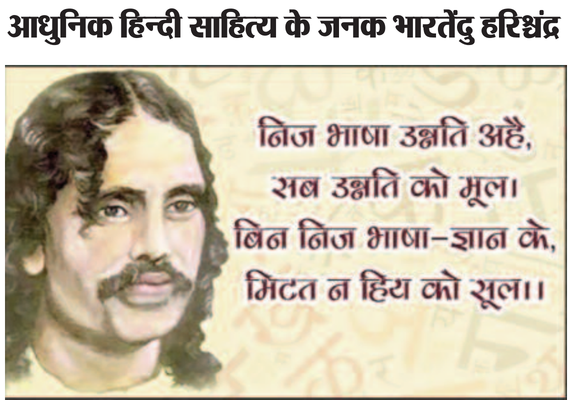

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

अयोध्या/अम्बेडकरनगर। भारतेंदु हरिश्चंद्र आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाते हैं उन्होंने गद्य साहित्य के द्वारा एक ओर तो देश-प्रेम का संदेश दिया और दूसरी ओर समाज की कुरीतियों तथा विसंगतियों पर तीखे व्यंग्य एवं कटु प्रहार किए हैं उनके साहित्य में भारतीय संस्कृति के प्रति उनका आगाध प्रेम सर्वत्र दृष्टिगोचर होता है। भारतेंदु हरिश्चंद्र अपने युग की समस्त चेतना के केंद्र बिंदु थे, वे प्राचीनता के पोषक थे तथा नवीनता के उन्नायक। वर्तमान के व्याख्याता थे और भविष्य के द्रष्टा। 19वीं शताब्दी के अंतिम सोपान में हिंदी साहित्य को सही दिशा की ओर अग्रसर करने के लिए जिस महान विभूति की आवश्यकता थी भारतेंदु के रूप में वह हिंदी साहित्य को प्राप्त हुई।

भारतेंदु हरिश्चंद्र एक प्रतिभा संपन्न और अत्यंत संवेदनशील व्यक्ति थे यह कभी नाटककार निबंधकार लेखक संपादक समाज सुधारक सभी थे अपने ब्रिटिश काल में अपेक्षित हिंदी भाषा को नवीन सामर्थ प्रदान की तथा हिंदी साहित्य को नई दिशा देकर आती समृद्धि बनाया।

भारतेंदु जी बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा की धनी थे उनका काल हिंदी साहित्य में भारतेंदु युग के नाम से विख्यात है हिंदी गद्य के जन्म एवं विकास की दृष्टि से उनका साहित्य में अद्वितीय स्थान है।

₹भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?₹ उनकी लोकप्रिय प्रचलित एक गद्य रचना जिसमें उल्लिखित कुछ अंश इस प्रकार है ' मुझको मेरे मित्रों ने कहा था कि तुम इस विषय पर कुछ कहो कि हिंदुस्तान की कैसे उन्नत हो सकती है? भला इस विषय पर मैं और क्या कहूँ? भागवत में एक श्लोक है- ₹नृदेहमाद्यं सुलभं सुदुर्लभं प्लवं सुकल्पं गुरुकर्णधारं मयाऽनुकूलेन नभः स्वतेरितं पुमान् भवाब्धिं न तरेत् स आत्महा।₹ भगवान कहते हैं कि पहले तो मनुष्य जन्म ही बड़ा दुर्लभ है सो मिला और उसे पर गुरु की कृपा और उस पर मेरी अनुकूलता इतना सामान पाकर भी जो मनुष्य इस संसार सागर के पार न जाए उसको आत्महत्यारा कहना चाहिए। वही दशा इस समय हिंदुस्तान की है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने नियुक्त किया गोरखपुर जिला अध्यक्ष

सुनील पाठक ,ब्यूरो गोरखपुर

गोरखपुर ,अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बेतियाहाता आवास पर एक बैठक कर बजरंग दल के पूर्व महानगर अध्यक्ष और भाजपा के जमीन नेता विजय ब्रह्मांड शुक्ला को गोरखपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है अध्यक्ष ने कहा शुक्ला जी इसमें सक्षम है इसने पूरे ब्राह्मण समाज में सहयोग मिलेगी। और साथ ही साथ हिंदू समाज का एक नई दिशा को दशा देंगे ।मौके पर संजय दुबे, आरएसएस के बलराम त्रिपाठी, चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, डीएन उपाध्याय, हर्ष मिश्रा ,पंडित प्रभात, पंडित देवव्रत उपाध्याय, लक्ष्मण शुक्ला, अश्वनी त्रिपाठी, धीरज मिश्रा ,आदि लोगों ने बधाइयां दी।

महसी क्षेत्र में हुआ परशुराम सेना प्रकोष्ठ कार्यालय का उद्घाटन

आकाश मिश्र नवयुग समाचार

बहराइच। ग्राम पंचायत रेहुवा मंसूर में परशुराम सेवा संस्थान का विधान सभा महसी कार्यालय का उद्घाटन किया गया। सोमवार दोपहर में ग्राम पंचायत रेहुवा मंसूर में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ तिवारी की मौजूदगी में विधानसभा स्तर पर कार्यालय का उद्घाटन किया गया प्रदेश अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन विप्र समाज के साथ साथ सभी दीन दुखियों, गरीबों , असहाय, लोगों की हर सम्भव मदद करता है। इस दौरान कुछ नए पदाधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण की। रेहुवा निवासी ललित तिवारी व विनोद कुमार मिश्र ने परशुराम सेना संगठन में शामिल होकर तन मन धन से सेवा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष पंडित चन्द्र भूषण द्विवदी, प्रदेश संगठनममंत्री स्नेह शुक्ला,जिला अध्यक्ष भानू पांडेय, मंडल महामंत्री प्रदीप शुक्ला, जिला प्रभारी दिलीप मिश्रा, जिला संयोजक विस्वरूप मिश्र, जिला सचिव विजय तिवारी, जिला संरक्षक. विनोद कुमार मिश्र. जिला प्रवक्ता. रमेश कुमार मिश्र अमित पाण्डेय, नगर उपाध्यक्ष ओम प्रकाश तिवारी, कैसरगंज विधानसभा अध्यक्ष पंकज मिश्रा, महसी विधानसभा अध्यक्ष ललित नारायण तिवारी, आशुतोष शुक्ला, मंडल प्रवक्ता रोहित दीक्षित, विधानसभा संरक्षक प्रभु नारायण अवस्थी, इंद्रेश मिश्रा, कमलेश शुक्ला, आयुष पाण्डेय, अमित पाण्डेय, आनंद सागर मिश्रा. विशाल मिश्र बरसाती लाल शुक्ला सहित जिला विधानसभा एवं तहसील के पदाधिकारियों के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में बहुसंख्यक समाज मौजूद रहा।

आयकर विभाग की कार्यवाही अति सराहनीय - लक्ष्मीकांत राज

मनोज मेहरा/नवयुग समाचार

सागर: आम आदमी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार द्वारा बीड़ी कारोबारियों पर की जा रही कार्य करवाई काफी सराहनीय उन्होंने बताया कि सागर के बड़े बीड़ी उद्योगपतियों ने गरीब मजदूर बीड़ी कामगारों का एकत्र फंड पेंशन ईपीएफओ और बड़ी कामगारों की विभिन्न योजनाओं का अभी तक विस्तृत मजदूरों को ना लाभ दिया है ना ही उनके फंड की और पेंशन की जानकारी दी। सागर के कुछ जनप्रतिनिधि और उनके परिवार कई वर्षों से इसमें लिप्त है। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि उन मजदूरों को भी उनकी मजदूरी का फंड और पेंशन इन लोगों से दिलाने का कष्ट करें।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नाव: पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बांगरमऊ पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार किया गया।

थाना बांगरमऊ में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त अन्नू उर्फ अनुराग कुमार पुत्र लाला राम निवासी गडेवा मजरा भिखारीपुर पतसिया थाना बागंरमऊ जनपद उन्नाव को भुड्डा चौराहे से दिनांक 05.01.2025 को उ0नि0 वीरेन्द्र विक्रम सिंह मय हमराह फोर्स द्वारा गिरफ्तार किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष बांगरमऊ ने किया रैन बसेरे का औचक निरीक्षण

रिपोर्ट मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव। बांगरमऊ नगर पालिका अध्यक्ष रामजी गुप्ता के द्वारा नगर पालिका परिषद के सामने ठाकुर जसा सिंह स्मारक भवन में स्थित रेन बसेरे का शाम लगभग 6:00 बजे औचक निरीक्षण किया गया

निरीक्षण के उपरांत वहां पर मौजूद केयरटेकर को दीवालो की रंगाई पुताई के लिए भी निर्देशित किया उन्होंने बताया की शासन के दिशा निर्देश पर इस रैन बसेरे का संचालन किया जा रहा है उन्होंने लोगों से अपील की की इतनी भयानक सर्दी में अगर कोई व्यक्ति आपको रोड पर दिखाई देता है तो कृपया उसे रेन बसेरे तक पहुंचाने का कष्ट करें रैन बसेरे में आने वाले व्यक्ति के लिए सरकार द्वारा दी गई सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध है किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वह व्यक्ति अधिशासी अधिकारी बांगरमऊ वह हमसे संपर्क कर सकता है

हाड़ कपाऊ ठंड में अपनी फसल बचाने को मजबूर किसान

विपिन कुमार यादव/नवयुग समाचार

परियर।उन्नाव। पौष माह की हाड़ कपाऊ ठंड में क्षेत्र के किसान अन्ना मवेशियों से अपनी फसल बचाने के लिए मजबूरी में रात दिन अपने खेतों में रुक कर हाथों में डंडा टार्च लेकर रखवाली कर रहे हैं।ज्यादा ठंड लगने पर आग का सहारा ले रहे हैं।कई किसानों ने खेत में ही मचान बना कर अपनी फसल की रखवाली कर रहे हैं।किसानों ने बताया खेतों में तार लगाने के बाद भी जरा सा चूक जाने पर मवेशियों के झुंड फसल चट कर जाते हैं।इस संबंध में विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के एडीओ पंचायत विनोद वर्मा ने बताया किसानों की सूचना पर ब्लाक से तुरन्त गाड़ी भेज कर मवेशियों को गौशाला भेजने का कार्य अभियान चला कर किया जा रहा हैं।

राधन गांव में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

शिवकुमार नवयुग समाचार

शिवराजपुर क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाला राधन गांव में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कानपुर गीता नगर के पास बने अमेया हॉस्पिटल के डाक्टरों बीएएमएस डॉक्टर ध्रुव तिवारी के नेतृत्व में गांव में लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर जिसमे गांव के लोगो की हर तरह की बीमारियों की गई जांच जिसमे डाक्टरों ने ग्रामीण के लोगो का बीपी वा कई बीमारियों की जांच की और साथ में कई बीमारियों के इलाज के लिए घरेलू उपचार वा स्वस्थ रहने के लिए सही नसीहत के बारे में भी सभी को जागरूक किया इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ग्राम के काफी लोगो ने इसमें भाग लिया और अपने शरीर की जांच करवाई और डॉक्टर बीएएमएस ध्रुव तिवारी के द्वारा दी गई नसीहत पे भी विशेष रूप से ध्यान दिया बड़ती हुई सर्दी को देखते हुए डॉक्टरों ने सर्दी में होने वाली बीमारियां जुखाम ,खासी ,पेट दर्द ,सिर दर्द , ऐसी कई अन्य होने वाली बीमारियों की जांच कर उनसे बचे रहने के लिए भी उपाय बताए वा सतर्क रहने की हिदायत भी दी ऐसी बीमारियों के लक्षण पाए जाने पे तुरंत ही अपने नजदीकी डॉक्टरों को दिखा ले नही तो ये बीमारियां बनी रहने से बड़ी बीमारियों को भी जन्म देती है

आजादी के बाद से भी दुर्भाग्य है, हमारा सनातन हिन्दू धर्म नहीं हुआ आजाद

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

अयोध्या/अम्बेडकरनगर। परमपूज्य ऋषिवर योगीराज श्रीशक्तिपुत्र जी सद्गुरुदेव महाराज ने अपने लाइव प्रसारण के माध्यम से चेतनात्मक सम्बोधन में कहा हम एक लम्बे अंतराल तक यातनाएं सहते रहे हमें सहारा कहां मिला, मस्जिदों के अंदर मंदिर नहीं ढूंढे जा रहे हमारे मंदिर थे, और उन मंदिरों के लिए हमारे पूर्वज सतत लड़ते चले आ रहे हैं गुलामी के कालखंड में भी अपना सर कटाते रहे हैं जिहादियों की वेदनाओं को सहते रहे हैं उनके अत्याचार को सहते चले आए हैं एक से एक औरंगजेब जैसे लोग आकर के हमारे मंदिरों को ध्वस्त करते रहे हैं हम सब देखते रहे जिसको कुछ उस समय लोग कर नहीं सकते थे जो कर सकते थे वे संघर्ष हमेशा करते चले आए हैं और दुर्भाग्य से आजादी के बाद से भी वास्तव में सनातन तो आजाद हुआ ही नहीं हिंदू धर्म तो आजाद हुआ ही नहीं आजाद हुआ ईसाई धर्म, आजाद हुआ इस्लाम धर्म, इस्लाम धर्म के नाम पर पूरा एक देश ले लिया गया हिंदू धर्म सनातन धर्म को मिला क्या? आजाद होते ही एक मुसलमान को शिक्षा मंत्री बना दिया गया अंग्रेजों का गुलाम एक प्रधानमंत्री बन बैठा और एक ऐसे व्यक्ति को राष्ट्रपिता बना दिया गया जो बस इस तरह के वातावरण में जिस तरह समाज हिंदू समाज बस गुलाम जैसा जीवन जीता रहे जैसा गुलामी के कालखंड में जीत रहा है वह अपनी आवाज न उठा सके गलत को गलत न कह सके।

शहीद जवान के परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे सपाई

नवयुग समाचार संवाददाता

शिवराजपुर: जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के जवानों को लेकर जा रहा एक आर्मी का ट्रक ऊंची पहाड़ी से नीचे गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में कानपुर नगर के थाना शिवराजपुर क्षेत्र के ग्राम दुगार्पुर गांव निवासी मां भारती के वीर सपूत पवन यादव पुत्र सत्येंद्र सिंह जी भी शहीद हो गए। शहीद के घर समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम पहुंचकर परिवार से मिलकर सांत्वना दी। साथ में विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव, हरिओम पांडे राष्ट्रीय सचिव बीरेंद्र वर्मा अजीत यादव इंद्रलेश यादव शशिकांत पाल सुनील यादव रिशु अर्पित सिंह ज्ञान सिंह कोरी संतोष कश्यप मिथलेश कमल रमेश गौतम जगरूप यादव विमल कोरी अनिल कुशवाहा सुनील पाल अनिल कुशवाहा सुदेश यादव जितेंद्र वर्मा रजोल यादव हरि प्रकाश यादव शीलू कुशवाहा आयुष पाण्डेय पंकज यादव आदि रहे।

आवारा पशुओं ने की लोगों की नींद हराम

नवयुग समाचार संवाददाता

हसेरन कन्नौज।प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा गोवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए करोड़ों रुपए का बजट पास किया जाता है उसको ध्यान में रखकर जनपद कन्नौज के जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला भी आए दिन गोवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर छुट्टा घूम रहे गोवंशों को गौ आश्रय स्थल में संरक्षित करने की मुहिम चलाते हैं बावजूद इसके जनपद कन्नौज के ब्लॉक हसेरन के लाख मौजा के मजरा कोठी पुरवा अमिलिया में गोवंशो के आतंक से किसानों की फसले चौपट हो रही है इसको लेकर ग्राम पंचायत अधिकारी से जब संपर्क करने की कोशिश की जाती है तो वह अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लेते हैं वही विकासखंड अधिकारी से गोवंशों द्वारा नुकसान की बात कही गई तो उन्होंने आवारा पशुओं को पकड़वा कर जल्द ही गौशाला में भिजवाने का आश्वासन दिया कब तक किसानों को इस समस्या से निजात मिलेगी यह देखने वाली बात होगी। किसान की फसल लगातार अन्ना पशु चौपट कर रहे हैं जिससे काफी नुकसान दिखाई पड़ रहा है

एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं को किया गया जागरूक

नवयुग समाचार संवाददाता

कन्नौज। मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत थानों की एन्टीरोमियों टीम द्वारा महिलाओं बालिकाओं को नारी सुरक्षा,नारी स्वाबलंबन एवं नारी सम्मान हेतु विशेष अभियान चलाकर जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक कन्नौज अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0₹ के तहत जनपद कन्नौज में थानों पर तैनात एन्टीरोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्र सार्वजनिक स्थानों आदि के आस-पास गश्त करते हुए महिलाओं व बालिकाओं को आत्मसुरक्षा के लिये जागरुक किया गया

एवं उनकी सुरक्षा के सम्बंध में वार्ता की गई सार्वजनिक स्थानो पर घूम रहे शोहदों को चेतावनी देने एवं महिलाओ से संबंधित अपराध व अपराध से संबंधित सजा के बारे में जागरुक भी किया गया।सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहो व साइबर क्राइम के विषय में व महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090, 181, 108, 1076, 112, 1098, 102 आदि के विषय मे पुलिस की पाठशाला/चौपाल लगाकर जागरूक किया गया तथा विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंद्रलोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/टाइटल कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इज़हार वारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।